www.evidyarthi.in

राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य

अध्याय - 5

हमारे अतीत - VI

evidyarthi

CLASS VI Ch5 राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य (NCERT)

- ❑ उत्तर वैदिक काल
  - ✓ अश्वमेध यज्ञ
  - ✓ वर्ण वयवस्था
- ❑ वर्ण वयवस्था
- ❑ महाजनपद
  - ✓ किलेबंदी के कारण
  - ✓ करकृषि में परिवर्तन
- ❖ मगध महाजनपद
- ❖ वज्जि

https://www.evidyarthi.in

❑ उत्तर वैदिक काल

www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

❑ उत्तर वैदिक काल

वैसे तो राजा का चुनाव जनों द्वारा होता था परन्तु 3000 साल पहले राजा बनने की प्रक्रिया में बदलाव आया, अश्वमेघ यज्ञ या अन्य यज्ञों द्वारा लोग राजा के रूप में प्रतिष्ठित हुए।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI Ch5 राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

➢ अश्वमेध यज्ञ

- इसमें एक घोड़े को राजा के लोगों की देखरेख में स्वतंत्र विचरण के लिए छोड़ दिया जाता था।
- इस घोड़े को किसी दूसरे राजा ने रोका तो उसे वहाँ अश्वमेध यज्ञ करने वाले राजा से लड़ाई करनी पड़ती थी।
- अगर उन्होंने घोड़े को जाने दिया तो इसका मतलब यह होता था कि अश्वमेध यज्ञ करने वाला राजा उनसे ज्यादा शक्तिशाली था।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- इसके बाद उन राजाओं को यज्ञ में आमंत्रित किया जाता था।
- यह यज्ञ विशिष्ट पुरोहितों द्वारा सम्पन्न किया जाता यज्ञ में आमंत्रित सभी राजा उसके लिए उपहार लाते थे।
- इन सभी आयोजनों में राजा का मुख्य स्थान होता था। उसे राजसिहासन या बाघ की खाल के एक विशेष आसन पर बिठाया जाता था।

evidyarthi

www.evidyarthi.in

- युद्ध क्षेत्र में राजा का सारथी ही उसका सहचर होता था। यज्ञ के अवसर पर वह राजा की विजयों तथा अन्य गुणों का गान करता था।

- राजा के सगे-संबंधी खासकर उसकी रानियों तथा पुत्रें को भी कई छोटे-छोटे अनुष्ठान करने होते थे।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI Ch5 राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- अन्य सारे आमंत्रित राजाओं का काम सिर्फ बैठकर यज्ञ की पूरी प्रक्रिया को देखना भर था।
- राजा के ऊपर पुरोहित पवित्र जल के छिड़काव के साथ-साथ अन्य कई अनुष्ठान करता था।
- विश् अथवा वैश्य जैसे सामान्य लोग उपहार लाते थे।
- शूद्र अनुष्ठानो में शामिल नहीं होते थे।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI Ch5 राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

➢ वर्ण वयवस्था

Brahma and the origins of caste

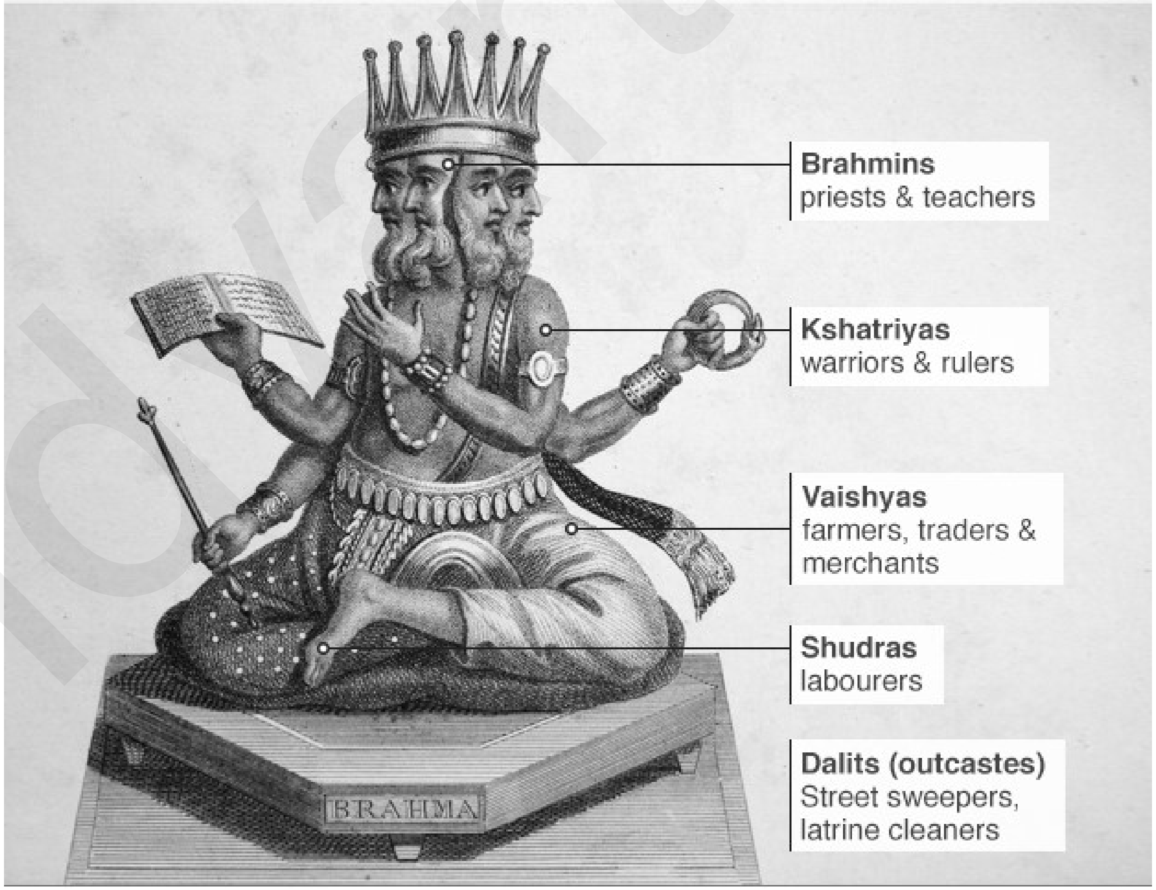

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI Ch5 राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

➢ वर्ण वयवस्था

पुरोहितों ने लोगों को चार वर्ण में विभक्त किया था।

- <u>ब्राम्हण</u> : वेदों का अध्ययन और यज्ञ करना।

- <u>क्षत्रिय</u> : युद्ध करना तथा लोगों की रक्षा करना।

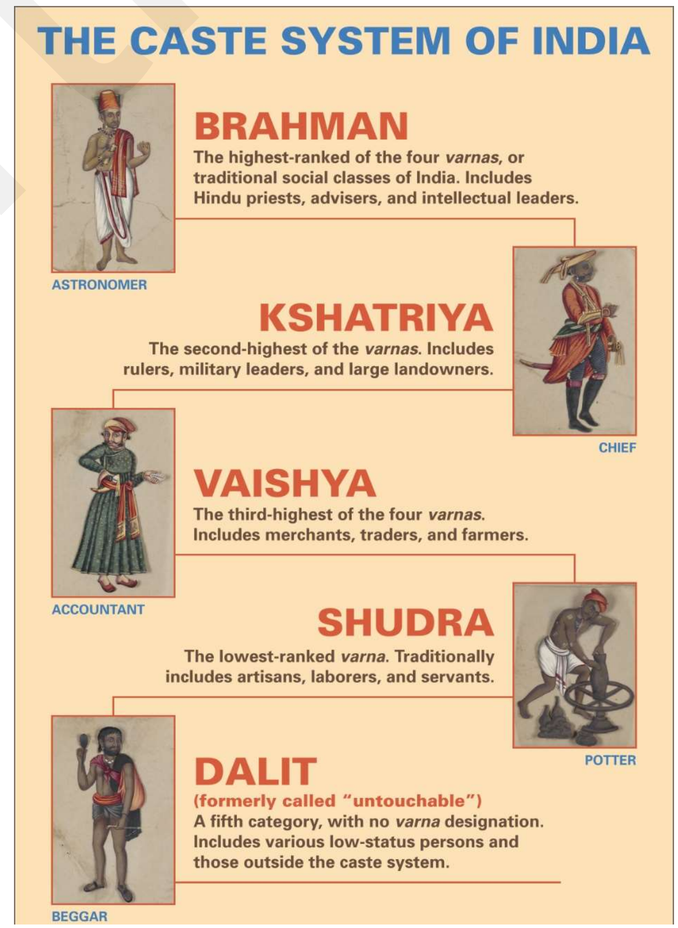

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- विश या वैश्य : इनमे कृषक, पशुपालक और व्यापारी आते थे।

- शूद्र : अन्य वर्णों की सेवा करना।

✓ क्षत्रिय और वैश्य दोनों को यज्ञ करने का अधिकार था परन्तु शूद्रों और महिलाओं को किसी भी प्रकार के अनुष्ठान करने का अधिकार नहीं थी। महिलाओं को भी शूद्र के सामने समझा जाता था।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- ✓ वर्ण का निर्धारण जन्म के अधिकार पर होता था।
- ✓ शिल्पकार, शिकारी तथा भोजन-संग्राहक इत्यादि वर्गों को अछूत माना जाता था।
- ✓ इस उपमहाद्वीप के पूर्वोत्तर क्षेत्र जैसे कई इलाकों में सामाजिक आर्थिक असमानता बहुत कम थी। यहाँ पुरोहितों का प्रभाव भी कम था।

www.evidyarthi.in

❑ जनपद

www.evidyarthi.in

❑ जनपद

- महायज्ञों को करने वाले राजा अब जन के राजा न होकर जनपदों के राजा माने जाने लगे।

- जनपद का शाब्दिक अर्थ *जन के बसने के जगह* होता है।

CLASS VI Ch5 राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- दिल्ली में पुराना किला, उत्तर प्रदेश में मेरठ के पास हस्तिनापुर और एटा के पास अतरंजीखेड़ा इनमे प्रमुख हैं।

- ये लोग झोपड़ियों में रहते थे और मवेशियों तथा अन्य जानवरों को पालते थे।

- ये लोग चावल, गेहूं, धान, जौ, दाले, गन्ना,तिल तथा सरसों जैसी फैसले उगाते थे।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- खुदाई में धूसर एवं कुछ लाल रंग के चित्रित-धूसर पात्र मिले है।

- इन बर्तनों पर चित्रकारी आमतौर पर सरल रेखाओं ज्यामितीय आकृतियों में है।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI Ch5 राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य (NCERT)

❑ महाजनपद

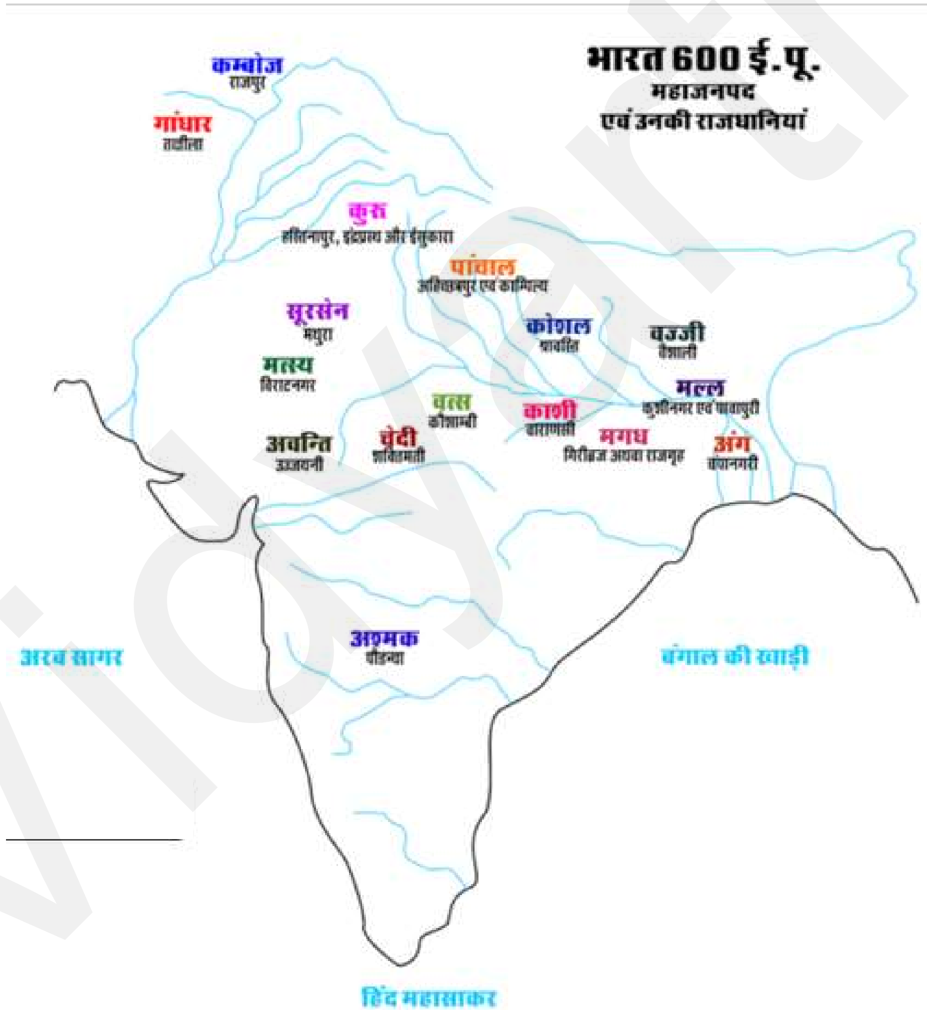

www.evidyarthi.in

❑ महाजनपद

www.evidyarthi.in

- करीब 2500 साल पहले , कुछ जनपद अधिक महत्वपूर्ण हो गए इन्हे महाजनपद कहा जाने लगा।
- महाजनपदों की एक राजधानी होती थी।
- कई राजधानियों में किलेबंदी की गई थी, नियमित वेतन देकर पूरे साल तक सैनिक रखते थे।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

➢ किलेबंदी के कारण

www.evidyarthi.in

➢ किलेबंदी के कारण

- अन्य राजाओं के आक्रमण से डरकर अपनी सुरक्षा के लिए इन किलों का निर्माण किया।
- अपनी समृद्धि और शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए
- किले के अंदर रहने वालेलोगों और उस क्षेत्र पर नियत्रंण रखना भी सरल हो जाता होगा।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

➢ कर

- फसलों पर कर : उपज का 1/6 वां हिस्सा जिसे भाग कहा जाता था।

- कारीगरों पर कर : श्रम के रूप में राजा के लिए महीने में एक दिन काम करना पड़ता था।

https://www.evidyarthi.in

- पशुपालक पर कर : पशुपालकों को जानवरों या उनके उत्पाद के रूप में कर देना पड़ता था।

- व्यापारियों को सामान खरीदने-बेचने पर भी कर देना पड़ता था।

- आखेटकों तथा संग्राहकों को जंगल से प्राप्त वस्तुएं देनी होती थी।

evidyarthi

www.evidyarthi.in

➢ कृषि में परिवर्तन

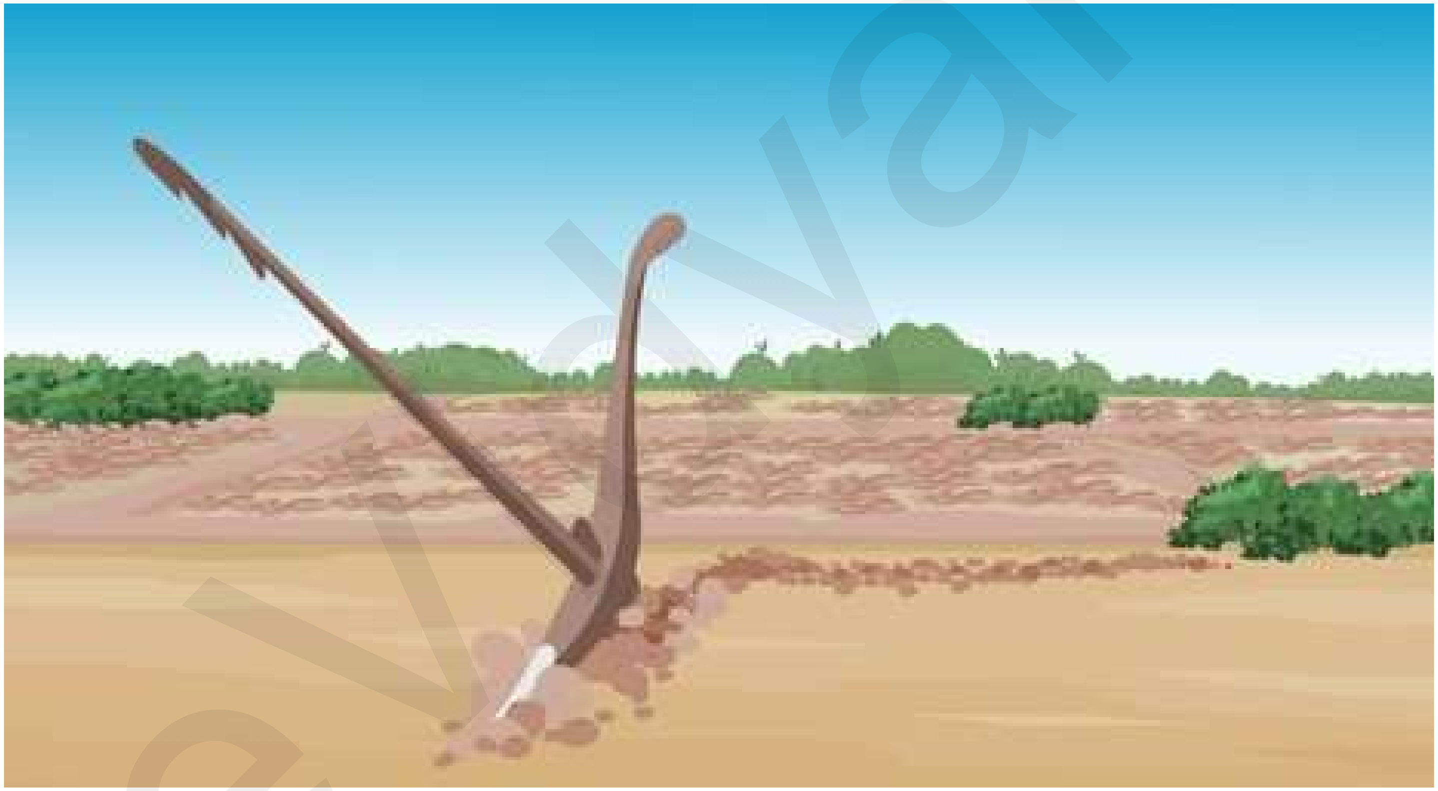

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

➢ कृषि में परिवर्तन

- दो बड़े परिवर्तन आए।
- हल के फाल अब लोहे के बनने लगे जिससे पैदावार में वृद्धि हुई।
- धान का रोपण होने लगा (बीज की जगह छोटे पौधों का रोपण होने लगा)

https://www.evidyarthi.in

❑ मगध महाजनपद

www.evidyarthi.in

evidyarthi

www.evidyarthi.in

❑ मगध महाजनपद

- गंगा और सोन जैसी नदियां मगध से होकर बहती थी।
- ये नदियां यातायात, जल वितरण तथा जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण थी।

evidyarthi

www.evidyarthi.in

- मगध का एक हिस्सा जंगलों से भरा था। इन जंगलों में रहने वाले हाथियों को पकड़कर और उन्हें प्रशिक्षित कर सेना के काम में लगाया जाता था।

- जंगलों से घर, गाड़ियाँ, तथा रथ बनाने के लिए लकड़ी मिलती थी।

evidyarthi

www.evidyarthi.in

- इसके अलावां इस क्षेत्र में लौह अयस्क की खदाने थी। मजबूत औजार और हथियार बनाने के लिए ये बहुत उपयोगी थे।

- बिम्बिसार, अजातुसतरु एवं महापद्मनंद मगध महाजनपद के शक्तिशाली राजा हुए।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- महापद्मनंद एक महत्वपूर्ण शासक थे। उन्होंने अपने नियंत्रण का क्षेत्र इस उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भाग तक फैला लिया था।

- बिहार में राजगृह (आधुनिक राजगीर) कई सालों तक मगध की राजधानी बनी रही बाद में पाटलिपुत्र (आज का पटना) को राजधानी बनाया गया।

evidyarthi

- 2300 साल पहले मेसिडोनियो के राजा सिकंदर ने मगध की ओर कूच करना चाहा परन्तु सैनिकों के इंकार के कारण उसे व्यास नदी के किनारे से लौटना पड़ा।

evidyarthi

CLASS VI Ch5 राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य (NCERT)

❑ वज्जि

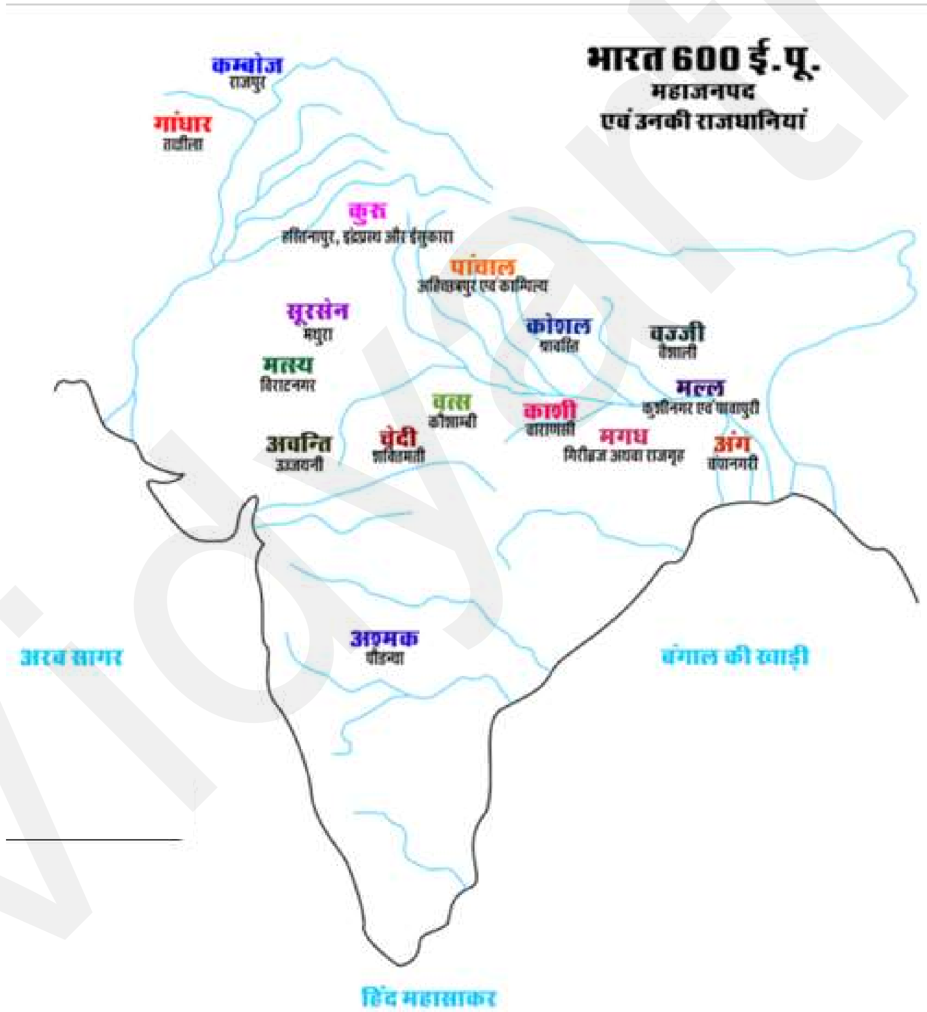

www.evidyarthi.in

evidyarthi

www.evidyarthi.in

❑ वज्जि

- राजधानी वैशाली (बिहार)
- यहाँ एक अलग शासन व्यवस्था थी जिसे गण या संघ कहते थे।
- वज्जि संघ का यह वर्णन 'दीघ निकाय' एक प्रसिद्ध बौद्ध ग्रन्थ से मिलता है।

evidyarthi

CLASS VI Ch5 राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- गण या संघ में कई शासक होते थे। कभी-कभी लोग एक साथ शासन करते थे, जिसमें से प्रत्येक व्यक्ति राजा कहलाता था।

- ये सभाओं में बात चीत , बहस और विवाद के जरिए योजना बनाते थे।

- स्त्रियां , दास तथा कम्माकर इन सभाओं में हिस्सा नहीं ले सकते थे।

CLASS VI Ch5 राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- बुद्ध तथा महावीर दोनों ही गण या संघ से सम्बंधित थे।

- कई शक्तिशाली राजा संघ को जितना चाहते थे परन्तु 1500 साल पहले तक संघ का राज चलता रहा और अंत में गुप्त शासकों ने इसे जीत कर अपने राज्य में मिला लिया।

evidyarthi